(1)

Prof (Dr) Rukhsana Parveen (Deptt of Psychology)
BA II (Hons), Paper-IV R.R.S. College, Mokama
Topic → Contribution of chicago and columbia Schools of psychology

यह दोनों ही प्रकार्यवाद का प्रमुख सम्प्रदाय है दोनों का योगदान प्रकार्यवाद के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। इन्हीं विश्वविद्यालयों में प्रकार्यवाद का सम्पूर्ण कार्य सम्पन्न हुआ।

Chicago School- उस समय अमेरिका में एक मनोवैज्ञानिक आन्दोलन हुआ जो धीरे धीरे विकसित और व्यवस्थित होता गया और अन्त में एक स्कूल का रूप ले लिया। इस आन्दोलन का मुख्य केन्द्र Chicago University का मनोविज्ञान विभाग था। इसमें Angell अग्रगनी थे इनका महत्वपूर्ण योगदान उस समय रहा है इस आन्दोलन का प्रभाव दूसरे राष्ट्रों पर भी पड़ा। इस सम्प्रदाय में मनोविज्ञान के बहुत सारे क्षेत्रों में कार्य हुआ इसमें Dewey, Angell तथा Carr, Piaget महत्वपूर्ण हैं प्रारंभिक शिकागो प्रकार्यवादियों ने मनोविज्ञान की परिभाषा "As a Science of Consciousness" (चेतना का विज्ञान) को माना था इनका कहना था कि चेतन का अध्ययन व्यक्ति के विकास और उसके वातावरण से सम्बन्धित करके किया जाना चाहिए। John Dewey एक दार्शनिक थे इन्होंने 1984 में chicago university में अपना योगदान दिया। इन्होंने प्रगतिवादी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है। इनका कहना है कि बच्चों की शिक्षा बड़े होने पर उनकी आवश्यकताओं के अनुसार होना चाहिए। यह शिक्षा सफल होती है इनका विकासात्मक मनोविज्ञान के क्षेत्र में अधिक कार्य है। इन्होंने पशु अध्ययन पर भी बल दिया। पशु प्रयोगशाला का निर्माण किया Angell के अनुसार चेतन का प्रभाव हम पशुओं में भी देख सकते हैं। Harvey. A. Carr ने पशु अध्ययन पर बल देते हुए प्रयोगात्मक विधि द्वारा चेतना का अध्ययन

किया और इस प्रकार अन्तर्निरीक्षण के महत्व को कम कर दिया। Carr के अनुसार मनोविज्ञान की विषय वस्तु "मानसिक प्रक्रियाएँ" है जिसमें स्मृति, भाव, कल्पना इत्यादि प्रक्रियाएँ सम्मिलित हैं। Angell ने 1904 ई० में एक पुस्तक लिखी जिसमें इन्होंने बताया कि मनोविज्ञान को यह भी अध्ययन करना चाहिए कि पर्यावरण के साथ प्राणी को अभियोजन करने में मन (Mind) किस प्रकार सहायता करता है। John Dewey एक ऐसे प्रकार्यवादी हैं जिनके कारण प्रकार्यवाद प्रगति किया। इन्होंने 1896 ई० में "The Reflex arc concept" की विवेचना की। Dewey के अनुसार व्यवहार का मनोविज्ञान में इसलिए महत्व है क्योंकि इसके माध्यम से प्राणी वातावरण के साथ अनुकूलन कर लेता है। Carr and Robinson ने अपने नियमों की व्याख्या में समस्पता सिद्धान्त (Conti- (contiguity theory), बारम्बारता, तीव्रता, वैयक्तिक भिन्नता के क्षेत्र में प्रमुख काम किया। Bills ने Mental Blocking के प्रत्यय का अध्ययन किया जब व्यक्ति को एक के बाद एक संख्याओं को जोड़ने के लिए कहा जाता है तो इसमें कभी कभी अज्ञानता के कारण रुकावट आ जाती है जिसे इन्होंने Mental Blocking कहा है।

McGeoch पृष्ठोन्मुख अवरोध के कारण अधिक प्रसिद्ध हुए। Proactive inhibition और Retroactive inhibition दोनों ही स्मरण के लिए बाधक होते हैं। यह अवरोध कैसे कार्य करते हैं इसे इन्होंने बताया। जब task A के प्रशिक्षण के बाद कोई व्यक्ति task B सीखता है तो task B के ही कुछ items task A के प्रत्यय में आने का प्रयत्न करते हैं इसे ही इन्होंने पृष्ठोन्मुख अवरोध कहा। इसमें अवरोधक उस समय अधिक होता है। जब दोनों

task लगभग समान होते हैं बाद में Muller and Pilzecker ने 1900 ई० में इसपर विस्तृत कार्य एंव अनुसंधान किया। Underwood, Gibson इत्यादि ने इस क्षेत्र में बहुत सोर प्रयोग किए।

Columbia School → Chicago के अतिरिक्त न्यूयार्क के कोलम्बिया विश्वविद्यालय में भी प्रकार्यवादी मनोविज्ञान के विकास के लिए प्रयास किया गया। यहाँ प्रकार्यवादियों ने दो बातों पर प्रमुख रूप से बल दिया उनके अनुसार मनोविज्ञान के अध्ययन के लिए कोई बंधन नहीं होना चाहिए अर्थात अध्ययन की पूर्ण स्वतन्त्रता होनी चाहिए। दूसरी बात मनोवैज्ञानिक तथ्यों का उपयोगिता की दृष्टि से ही वर्णन करने पर बल दिया गया। प्रकार्यवाद के अनुसार विभिन्न मानसिक कार्यों के शारीरिक आधार का भी अध्ययन करना चाहिए। इन्होंने यह स्पष्ट किया कि मनोविज्ञान का सम्बन्ध जीव विज्ञान, शिक्षा, उद्योग तथा सांख्यिकी इत्यादि के साथ किस प्रकार सम्बन्धित है। कोलम्बिया विश्वविद्यालय में प्रकार्यवाद के विकास तथा प्रसार करने का श्रेय तीन मनोवैज्ञानिक को प्रमुख रूप से है। इनमें पहला नाम Cattell का है। Cattell के ही प्रयास के कारण बुद्धि परीक्षण तथा व्यक्तिगत भिन्नता के अध्ययन पर विशेष बल दिया। Cattell ने ही अमेरिका में बुद्धि परीक्षण के आन्दोलन का प्रतिनिधित्व किया कोलम्बिया विश्वविद्यालय में अध्यापन और अनुसंधान करते हुए मनोवैज्ञानिक Cattell ने अनेक योग्य मनोवैज्ञानिक को प्रकार्यवाद में सम्मिलित किया। Edward. L. Thorndike इनमें से एक है Thorndike ने पशुओं की बुद्धि का विशेष रूप से अध्ययन किया। इन्होंने बालकों के शिक्षण और बुद्धि सम्बन्धी शोधकार्य किया जिसके फलस्वरूप इन्होंने शिक्षण से सम्बन्धित कई उपयोगी नियमों की स्थापना की। गणित शिक्षा को इन्होंने मनोविज्ञान में लाया। शिक्षण और बुद्धि के बाद

इन्होंने मनोवृत्ति, अभिरुचि, प्रणोदन, आवश्यकता के क्षेत्र में भी शोधकार्य किया।
Robert. S. Woodworth कोलम्बिया विश्वविद्यालय के तीसरे महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक हैं इनकी नियुक्ति कोलम्बिया विश्वविद्यालय में 1903 में हुई। इन्होंने 1918 में "Dynamic Psychology" नामक पुस्तक प्रकाशित की। इस पुस्तक में Carr द्वारा वर्णित अभिप्रेरक उद्दीपन सम्बन्धी सिद्धान्त का और भी विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया व्यक्ति के पर्यावरण पर बल देते हुए Woodworth ने क्रमानुक्रम और अभिप्रेरणा के महत्व पर प्रकाश डाला।

दोनों सम्प्रदाय के अध्ययन के पश्चात् हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि मनोविज्ञान के विकास के लिए कोलम्बिया और शिकागो दोनों ही सम्प्रदाय महत्वपूर्ण है। शिकागो स्कूल के बहुत सारे प्रकार्यवादी जिसमें Carr, Angell और Dewey का स्थान सर्वप्रमुख है इनका प्रकार्यवाद में योगदान रहा है इस सम्प्रदाय ने प्रकार्यवाद में योगदान रहा है इस सम्प्रदाय ने प्रकार्यवाद के अस्तित्व को महत्वपूर्ण बनाया वैसे इसी प्रकार Cattell, Thorndike एवं Woodworth ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय में प्रकार्यवाद सम्प्रदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। अतः प्रकार्यवाद में दोनों का महत्वपूर्ण योगदान है।

—x—

Scanned with CamScanner